an>

Title: Need to encourage cow breeding in the country.

श्री सुधीर गुप्ता (मंदसौर) : महोदय, मैं गोवंश आधारित कृÂिा के संवर्धन हेतु अपील करना चाहता हूं। क्या सरकार महंगी कृÂिा से आहत कृÂाकों के कल्याण हेतु मशीन व ट्रैक्टर आधारित कृÂिा से मुक्ति दिलाकर गोवंश आधारित कृÂिा के विस्तार पर ध्यान देगी? सरकार पिछले वÂााों में बंजर होती कृÂिा भूमि व डार्क जोन में बदलते क्षेत्र से मुक्ति पाने हेतु रसायनिक खादों के बजाए जैविक कृÂिा के विस्तार पर ध्यान देगी? क्या सरकार प्रतिवÂाष डीजल व विदेशी बीज, रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर अनावश्यक सब्सिडी दे रही है। क्या गोवंश के सदुपयोग से रसायनिक खाद व कीटनाशकों पर हो रहे व्यय को कम नहीं किया जा सकता है? क्या देश में पिछले 10-12 वÂााों में 1 करोड़ कृÂाकों ने कृÂिा से नाता तोड़ा है, कई कृÂाकों ने आत्महत्या की है, ऐसी स्थिति में गोवंश उत्पाद (जैसे गोमूत्र से कीटनाशक, केंचुआ खाद, कम्पोस्ट, अमृतपानी, गोमूत्र अर्क टिकिया, मालिश तेल, मच्छर क्वाइल, फिनाइल, कागज जैसे वैज्ञानिक प्रमाणित 40-50 श्रेÂठ उत्पाद) पर आधारित सहकारी संस्थाओं को 6 लाख गांवों में गठन कर रोजगार के अवसर नहीं बढ़ा सकती है? प्रदूÂिात अन्न व जल से मानव स्वास्थ्य पर दूÂिात प्रभाव पड़ रहा है ऐसी स्थिति में रोगप्रतिरोधक क्षमता ए-2प्रोटीन जो देशी गाय के उत्पाद में पाया जाता है उसके उत्पादन वृद्धि से स्वस्थ राÂट्र के स्वप्न को नहीं बढ़ाया जा सकता है। मेरे संसदीय क्षेत्र मंदसौर के कृÂाक प्रतिदिन 1 लाख लीटर दुध दिल्ली भेजते हैं, क्या उन्हें देशी नस्ल की गाय के दुध उत्पादन हेतु सब्सिडी योजना पर विचार करेंगे क्या? मैं पुनः आपसे अपील करता हूं कि स्वस्थ, सम्पन्न और समृद्ध राÂट्र की कल्पना गोवंश आधारित कृÂिा से ही संभव है मशीन आधारित कृÂिा से नहीं।

माननीय सभापति : श्री सी.आर.चौधरी, श्री प्रहलाद सिंह पटेल और ।

श्री भैरो प्रसाद मिश्र को श्री सुधीर गुप्ता द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।